कार्यालय प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय,कोटा (राज.)

(NAAC द्वारा "A" ग्रेड़ प्राप्त संस्थान)

Email address principalgckota@gmail.com

भाषा प्रयोगशाला की स्थापना और कार्यशाला का आयोजन

रिपोर्ट

17 अगस्त 2023। राजकीय महाविद्यालय कोटा में आज डीएसटी लेब में भाषा प्रयोगशाला (लैंग्वेज लैब) की स्थापना की गई तथा हिन्दी अंग्रेजी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में भाषा कौशल पर कार्यशाला आयोजित कर विद्यार्थियों को 'लैंग्वेज लैब' सोप्टवेयर के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। लैब की स्थापना

के अवसर पर प्राचार्य डॉ. अरूण कुमार ने विद्यार्थियों को बताया कि आज के समय में भाषा कौशल की महती आवश्यकता है। विद्यार्थी इसके माध्यम से अपना भाषागत उच्चारण सुधार

सकेंगे तथा अपने अभिव्यक्ति कौशल को प्रभावी बना सकेंगे जिससे कि उन्हें रोजगार के अवसर प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति –2020 में भी भाषा कौशल का से संबंधित कौशल पर विशेष जोर दिया गया है। प्रोफेसर मनीष गौड़ ने बताया कि हमारे पास आवश्यक ज्ञान होते हुए भी हम उसका समय पर सही और प्रभावी ढ़ंग से सम्प्रेषण नही कर पाते है ऐसी स्थिति में लैंग्वेज लैब सहायक सिद्ध होती है। हिन्दी विभाग प्रभारी डॉ. सियाराम मीणा ने बताया कि विद्यार्थियों को पंजीकृत कर समूह बनाकर

प्रशिक्षण दिया जावेगा। अंग्रेजी विभाग प्रभारी श्रीमती रीना कुमारी ने कहा कि अधिक से अधिक विद्यार्थी अपना पंजीकरण फार्मभर कर जमा करावे तथा प्रशिक्षण भाग लें। अवसर पर सोप्टवेयर विशेषज्ञ अमित परनामी ने विद्याथियों को लैंग्वेज सोप्टवेयर पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के तरीके व कार्यविधि के बारे में समझाया तथा लैंग्वेज लैब के महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि भाषा प्रयोगशाला एक विशेष विभाग या सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन होता है जो भाषा सीखने और शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया जाता है। यह छात्रों को उनके भाषा कौशल में सुधार करने के लिए एक इंटरैक्टिव वातावरण प्रदान करता है, मुख्य रूप से सुनने और बोलने पर ध्यान केंद्रित करता है। यहां कुछ कारण बताए गए हैं कि भाषा प्रयोगशालाएँ क्यों उपयोग की जाती हैं और भाषा प्रयोगशाला के कई लाभ है। जैसे सुनने कौशल– भाषा प्रयोगशालाएँ मौजूदा बोलने वालों के आवाज की रिकॉर्डिंग, संवाद, समाचार प्रसारण आदि जैसे विभिन्न ऑडियो सामग्री प्रदान करती हैं। छात्र सुनने की समझ को मजबूत करने और विभिन्न उच्चारण और भाषण पैटर्न को समझने की क्षमता को विकसित कर सकते हैं। **बोलने कौशल–** भाषा प्रयोगशालाएँ अक्सर रिकॉर्डिंग सुविधाएँ शामिल करती हैं जो छात्रों को बोलने का अभ्यास करने और प्रतिक्रिया प्राप्त करने की अनुमति देती है। वे अपने खुद के भाषण को रिकॉर्ड कर सकते हैं, उसे सुन सकते हैं, और मॉडल उच्चारण के साथ उसे तुलना कर सकते हैं ताकि वे अपने उच्चारण और धाराप्रवृत्ति में सुधार सकें। **उच्चारण सुधार–** दोहराई और पुनरावृत्ति भाषा सीखने के लिए महत्वपूर्ण है। भाषा प्रयोगशालाएँ छात्रों को वाक्यांश, संवाद और शब्दकोश को कई बार सुनने और अभ्यास करने की अवसर प्रदान करती हैं, जिससे स्मृति और संवर्धन में मदद मिलती है। **व्यक्तिगत सीखना–** भाषा प्रयोगशालाएँ छात्रों को उनकी खुद की गति पर काम करने की अनुमति देती हैं। वे वर्तमान कौशल स्तर के आधार पर सामग्री और अभ्यास का चयन कर

सकते हैं और जैसे–जैसे उनकी कौशल में सुधार होता है, वे और भी चुनौतीपूर्ण सामग्री की ओर बढ़ सकते हैं।

उद्घाटन कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रीना कुमारी ने किया तथा संयोजन डॉ. सियाराम मीणा ने किया। कार्यक्रम में स्नातक स्तर के 25 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण एवं लैंग्वेज लैब में भाषा शिक्षण का महत्व :– प्राचार्य महोदय एवं वक्ता डॉ. मनीष गौड़ द्वारा छात्रों को कार्यशाला के अगले चरण में डॉ.सियाराम मीणा, श्रीमती रीना कुमारी ने सोप्टवेयर इंजिनीयर श्री अमित परनामी से विद्यार्थियों के सोप्टवेयर की कार्यप्रणाली के बारे प्रशिक्षण प्राप्त किया। तदुपरांत डॉ.सियाराम मीणा, श्रीमती रीना कुमारी, सोप्टवेयर इंजिनीयर श्री अमित परनामी ने चुने हुए विद्यार्थियों को पांच कम्प्यूटर जिनमें सोप्टवेयर को इंस्टॉल किया से प्रशिक्षण दिया तथा लैंग्वेज लैब पर संचालित सोप्टवेयर के बारे बताया तथा भाषा प्रयोगशाला में प्रशिक्षण प्राप्त करने के महत्व को विस्तारपूर्वक बताया जिससे छात्रों प्रयोगशाला की उपयोगीता के बारे में जानकारी मिल सके तथा अधिक रूचि के साथ शिक्षण में संलग्न हो सके। यथा–

पुनरावृत्ति और पुष्टिकरण– पुनरावृत्ति भाषा सीखने की कुंजी है। भाषा प्रयोगशालाएँ छात्रों को वाक्यांश, संवाद और शब्दकोश को कई बार सुनने और अभ्यास करने के अवसर प्रदान करती हैं, जो स्मृति और संवर्धन में मदद करता है। **इंटरैक्टिव अभ्यास–** भाषा प्रयोगशालाएँ अक्सर क्विज, खेल और भूमिका–निभाने की परिस्थितियों जैसे इंटरैक्टिव अभ्यास प्रदान करती हैं। ये छात्रों को जुटाते हैं और शिक्षा प्रक्रिया को और भी आनंदमय बनाते हैं। **समय की लचीलता–** भाषा प्रयोगशालाएँ किसी भी समय तक पहुँची जा सकती हैं, जिससे छात्र जब भी वे समय

निकाल सकते हैं, वे अभ्यास कर सकते हैं, चाहे वो कक्षा के समय हो या नियमित पढ़ाई के सत्र के बाहर। **विशेष शब्द कोष**— छात्र भाषा प्रयोगशाला सामग्रियों के माध्यम से विभिन्न संदर्भों में विशाल शब्दसंग्रह से मिल सकते हैं, जिससे शब्दकोष का विस्तार होता है। **प्रगति की निगरानी**—कई भाषा प्रयोगशाला प्रणालियों में प्रगति की निगरानी की सुविधाएँ होती हैं। शिक्षक छात्रों की प्रदर्शन की निगरानी कर सकते हैं और उन क्षेत्रों की पहचान कर सकते हैं जिनमें सुधार की आवश्यकता है।

सांस्कृतिक परिचय— भाषा प्रयोगशालाएँ अक्सर गानों, फिल्मों और सांस्कृतिक सामग्री जैसी मान्यता प्राप्त सामग्री शामिल करती हैं, जिससे छात्रों को उन भाषा के साथ जुड़े संस्कृति का परिचय मिलता है जिसे वे सीख रहे हैं। **संकोच मिटाना करना**— कुछ छात्र शरम के कारण कक्षा में बोलने में संकोच कर सकते हैं। भाषा प्रयोगशालाएँ अधिक निजी वातावरण प्रदान करती हैं जो अभ्यास के लिए हमेशा आगे बढ़ते छात्रों को उनके बोलने कौशल में आत्मविश्वास बनाने में मदद करती है। **भाषा शिक्षक समर्थन**— भाषा प्रयोगशाला सॉफ्टवेयर अक्सर शिक्षक उपकरणों के साथ एकत्रित होता है, जिससे शिक्षक विशिष्ट अभ्यासों का निर्धारण कर सकते हैं, छात्रों की प्रगति की निगरानी कर सकते हैं, और व्यक्तिगत प्रतिक्रिया प्रदान कर सकते हैं। कुल मिलाकर, भाषा प्रयोगशालाएँ भाषा छात्रों के सुनने और बोलने कौशलों को एक नियंत्रित और इंटरैक्टिव वातावरण में सुधारने के लिए मूल्यवान उपकरण हैं। वे पारंपरिक कक्षा शिक्षण विधियों को विशिष्ट अभ्यास के अवसर और व्यक्तिगत सीखने के अनुभव प्रदान करके सामान्य शिक्षण विधियों का पूरक करते हैं।

कार्यशाला के प्रशिक्षण की कार्यवाही श्रीमती रीना कुमारी ने की तथा संयोजन डॉ.सियाराम मीणा ने किया।

राजकीय महाविद्यालय कोटा   दिनांक - 17/8/2023

भाषा कौशल प्रयोगशाला

(हिन्दी एवं अंग्रेजी विभाग)

भाषा कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

कार्यक्रम (~~प्रशि~~ प्रशिक्षण) में भाग लेने वाले विद्यार्थी -

~~क्र~~-	नाम विद्यार्थी	कक्षा	हस्ताक्षर
1.	Sonakshi Meena	BSc II (Maths)	Sonakshi
2.	Rahul Nagar	BSc II (Maths)	Rahul
3.	Tanisha Rathore	BSC. III (Maths)	Tanisha
4.	Komal Bairwa	BSc II (Bio)	[signature]
5.	Sheetal Kushwa	BSc. II (Bio)	Sheetal
6.	Saloni Sen	B.Sc. II (Bio)	Saloni
7.	Akshay Jain	B.Sc. II (Bio)	Akshay
8.	Imtiyaz	B.Sc. II (Bio)	Imtiyaz
9.	Sahniya	BSc. II (Bio)	Sahniya
10.	Pariksha Meena	BSc. II	Pareeksha
11.	Puneet	BSc. I (maths)	Puneet
12.	Isha Lodha	BSc. I (Bio	ईशा
13.	Jahnvi	BSc. II (Bio)	Jahnvi
14.	Nandini ~~[illegible]~~ Verma -	BSc. II (Maths)	[signature]
15.	Vandana Hada	BSc. II (Bio)	Vandana
16.	Divyansh	BSc. II (Bio)	[signature]
17.	Prakriti	BSc. II (Maths)	Prakriti.
18.	Komal Nagar	BSc. II (Bio)	Komal
19.	Rahul Verma	BSc. II (maths)	Rahul
20.	Bhavana Narwal	BSc. II (Bio)	Bhawna

[signature]

प्रेस कवरेज

चम्बल संदेश 18/8/2023

... मुख्य रूप से पीएनएम पोर्टल ... मंडलों के ... द्वारा ... के निर्देशों ... चिकित्सा

मंडल अध्यक्ष कॉम ला... सहा मंडल सचिव नरेश ... अल्पना शुक्ल, प्रशान्त गौतम ... विकास शर्मा ने भी भाग लिया।

भाषा प्रयोगशाला की स्थापना और कार्यशाला का आयोजन

संदेश न्यूज। कोटा. राजकीय महाविद्यालय कोटा में डीएसटी लैब में भाषा प्रयोगशाला (लैंग्वेज लैब) की स्थापना की गई तथा हिन्दी अंग्रेजी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में भाषा कौशल पर कार्यशाला आयोजित कर विद्यार्थियों को 'लैंग्वेजलैब' सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। लैब की स्थापना के अवसर पर प्राचार्य डॉ. अरूण कुमार ने विद्यार्थियों को बताया कि आज के समय में भाषा कौशल की महती आवश्यकता है। विद्यार्थी इसके माध्यम से अपना भाषागत उच्चारण सुधार सकेंगे तथा अपने अभिव्यक्ति कौशल को प्रभावी बना सकेंगे जिससे कि उन्हें रोजगार के अवसर प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति-2020 में भी भाषा कौशल का से संबंधित कौशल पर विशेष जोर दिया गया है। प्रो.मनीष गौड़ ने बताया कि हमारे पास आवश्यक ज्ञान होते हुए भी हम उसका समय पर सही और प्रभावी ढंग से सम्प्रेषण नहीं कर पाते है ऐसी स्थिति में लैंग्वेज लैब सहायक सिद्ध होती है।

हिन्दी विभाग प्रभारी डॉ.सियाराम मीणा ने बताया कि विद्यार्थियों को पंजीकृत कर समूह बनाकर प्रशिक्षण दिया जावेगा। अंग्रेजी विभाग प्रभारी रीना कुमारी ने कहा कि अधिक से अधिक विद्यार्थी अपना पंजीकरण फार्म भरकर जमा करावे तथा प्रशिक्षण भाग लें।

...र्यावरण क्षेत्र में जनजागृति के लिए पौधारोपण

...ज। कोटा. रोटरी क्लब कोटा राजपूत टाउन द्वारा पर्यावरण के ...

दैनिक भास्कर कोटा 18-08-2023

राज. महाविद्यालय में भाषा प्रयोगशाला की स्थापना

कोटा| राजकीय महाविद्यालय में गुरुवार को डीएसटी लैब में भाषा प्रयोगशाला की स्थापना की गई। इस दौरान हिन्दी, अंग्रेजी विभाग की ओर से भाषा कौशल पर कार्यशाला आयोजित कर विद्यार्थियों को लैंग्वेज लैब सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रशिक्षण दिया। प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार ने विद्यार्थियों को बताया कि इस समय में भाषा कौशल की महती आवश्यकता है।

विद्यार्थी इसके माध्यम से भाषागत उच्चारण सुधार सकेंगे। प्रोफेसर मनीष गौड़ ने बताया कि हमारे पास आवश्यक ज्ञान होते हुए भी समय पर सही और प्रभावी तरीके से सम्प्रेषण नहीं कर पाते है। हिन्दी विभाग प्रभारी डॉ. सियाराम मीणा ने बताया कि विद्यार्थियों को पंजीकृत कर समूह बनाकर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

ई-सत्य... अधिक...

कोटा | आयकर ... ई-सत्यापन स्कीम ... राजस्व भवन के ... हुई। इसमें (आसू... अन्वेषण) के ... निदेशक प्रवीण... आयकर अधिका... आपराधिक अन्वे... ने व्यापारियों को ...

टैक्स बार ... एकाउंटेंट एसो... मर्चेंट एसोसिएश... स्माल स्केल इंड...

प्रभारी डॉ.सियाराम मीणा व श्रीमती रीना कुमारी

प्राचार्य

राजकीय महाविद्यालय कोटा